

1907 इंग्लैंड में आर्थिक संकट के कारण आयात  
उपर इंग्लैंड में आर्थिक संकट मुरम्ब रूप से 1929 ई में शुरू हुआ तथा  
1933 ई तक रहा इस संकट के प्रभुता कई कारण थे :-

① कर्मचार बापरा न मिलना :- इंग्लैंड (यू.के.) ने आर के  
आगत काल में कल तथा अन्य देशों को कर्ज दिया था जिससे  
आर्थिक समस्या के समग्र रूप की सरकार बापरा नहीं की जिसका  
परिणाम यह हुआ की कल धनी देश बन गया/ एवं साक्षुकार इंग्लैंड  
एवं फ्रांस (सहकृति) को गंगा इंग्लैंड और फ्रांस में पराजित ममीनी  
से युद्ध की ध्विषि के द्वारा धन प्राप्त करने का प्रयास किया परन्तु  
वे दोनों असफल रहे।

② आर्थिक संकट का प्रभाव :- विपन्न के अनुसार "आर्थिक  
संकट का एक प्रभाव यह आया है और यह संकट समग्र समग्र पर  
देशों में आया रहा है जिससे इस प्रकार के आर्थिक संकटों के  
कई उदाहरण मिलते हैं इस संकट से पूर्व इंग्लैंड में 1620-24 ई तक  
इसी प्रकार का संकट आया था।"

③ प्रथम विश्व का प्रभाव :- युद्ध काल में महगाई बढ़ जाती है  
युद्ध समाप्ति के कुछ दिनों तक महगाई बनी रहती है तथा प्रचलित आर्थिक  
मंदी का कारण स्वभाविक है नेपोलियन के युद्धों, अमेरिका के दह युद्ध  
तथा 1870 ई के फ्रांस, प्रशा युद्ध के बाद ऐसा हुआ था।  
प्रथम विश्व युद्ध आर्थिक दृष्टि से अत्यंत विनाशकारी था अतः इसके  
बाद प्रथम आर्थिक संकट का लोग स्वभाविक था।

④ स्वर्णमान को त्यागना :- आर्थिक संकट के समग्र कुछ देशों  
के पास अल्पविक्र सोना था तथा कुछ के पास बहुत कम था अर्थात् सोने के  
अनुपात 1931 ई में समग्र विश्व में कुल दो अरब तीस करोड़ पाँच सोन  
था। इसमें से 90 करोड़ पाँच सोन अमेरिका के पास था तथा 5 करोड़ पाँच फ्रांस  
के पास था। इस प्रकार विश्व का सोन लगभग अन्य देशों के पास रह गया था अतः  
1931 ई में इंग्लैंड ने स्वर्णमान को त्याग दिया इंग्लैंड का अनुकूल करने हुए एक  
वर्ष के बाद लगभग सभी देशों ने भी ऐसा ही किया। इस प्रकार स्वर्णमान को त्याग  
कर इन देशों ने आर्थिक मंदी का सामना किया।

⑤ आर्थिक आत्म निर्भरता :- 1929 ई से 1933 ई के मध्य विश्व के अधिकांश  
देशों में आर्थिक आत्म निर्भरता की भावना अपनी परम सीमा पर पहुँच गई थी। विशेष  
खास 1929 तक बलुओं को बाहर से न माँगकर स्वयं कानों का प्रयोग कर रहे थे।  
इससे औद्योगिक देशों, विशेषकर इंग्लैंड को बहुत हानि हुई।

⑥ खरीदारों का कमी :- युद्ध काल में कारखानों तथा कृषि का  
उत्पादन बहुत अधिक बढ़ गया। ने गो से कारों का बाले अनेक यंत्रों का  
आवृत्ति से उत्पादन। एक मशीन अनेक मशीनों का काम कर सकती थी  
दुसरी ओर गिन-बलुओं को बेचकर वे अपने कर्ज चुकाने की आशा करते थे उनकी  
कीमतें भी बहुत कम हो गयी थी।